बिना संवाद के तकनीकी संवर्धन सार्थक नहीं

एबीएलटी सभागार में इंडस्ट्री-इंस्टीट्यूट सोसाइटी कॉनक्लेव शुरू

जागरण संवाददाता, वाराणसी: समाज के सभी वर्गों से बिना संवाद स्थापित किए किसी प्रकार के तकनीकी संवर्धन अथवा अनुप्रयोग की कोशिशें कभी भी सार्थक सिद्ध नहीं हो सकतीं। यह कहना है आइआइटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन का।

एबीएलटी सभागार में आइआइटी (बीएचयू) की तरफ से शुक्रवार को आयोजित तीन दिवसीय इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट-सोसाइटी कॉनक्लेव में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. जैन ने कहा कि इस समागम से निकले सुझावों व अनुभवों के आधार पर आइआइटी (बीएचयू) समाज के विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग के रूप में भूमिका का सकारात्मक ढंग से निर्वहन करेगा।

सुशील कुमार तिवारी, वीके वर्मा और संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र इस मौके पर मौजूद थे। प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। वाराणसी व आस-पास के जिलों से आए 100 प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं के बारे में जानकारी दी।

आइआइटी स्थित एबीएलटी सभागार में आयोजित लघु उद्यमी समागम के अवसर पर मंचासीन अतिथिगण

सोलर ड्रायर व सोलर कुकर का हुआ शुभारंभ

- मालवीय उद्यमिता संवर्धन केंद्र लंबे समय से उद्यमिता संवर्धन व कारीगरों, कृषकों आदि की तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए काम कर रहा है। संस्थान के पूर्व छात्र गौरव केडिया के तकनीकी सहयोग से बने सोलर ड्रायर व सोलर कुकर का शुभारंभ निदेशक प्रो. जैन ने किया गया। उपकरणों के माध्यम से किसान अपने कार्य स्थल पर भोजन की व्यवस्था कर लेगा। संरक्षण की अवधि के उपरांत इन्हें प्रोसेसिंग के माध्यम से बाजार में अच्छी कीमत पर बेचा जा सकता है।

दैनिक जागरण – 01.09.2018